भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 828

दिनांक 26 जुलाई, 2024 को उत्तर के लिए

समेकित बाल विकास योजना का कवरेज और प्रभाव

828. श्री बैजयंत पांडा:

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :-

(क) बच्चों में कुपोषण को कम करने में समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के कवरेज और प्रभाव के संबंध में अद्यतन ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या विशेषकर दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में आईसीडीएस के कार्यान्वयन में सामने आ रही चुनौतियों का समाधान करने के लिए कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) : सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 एक केंद्र प्रायोजित योजना है और इसे सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जा रहा है। पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, योजना के तहत लगभग 10.26 करोड़ लाभार्थी पंजीकृत हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार कुपोषण के संकेतकों जैसे बच्चों का कम वजन, ठिगनापन और दुबलापन में लगातार सुधार हुआ है। एनएफएचएस-5 (2019-21) की रिपोर्ट के अनुसार,

एनएफएचएस -4 (2015-16) की तुलना में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। ठिगनापन 38.4% से घटकर 35.5% हो गया है, जबकि दुबलापन 21.0% से घटकर 19.3% हो गई है और कम वजन की व्यापकता 35.8% से घटकर 32.1% हो गई है। हालांकि, पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 6 साल से कम उम्र के लगभग 8.57 करोड़ बच्चों का मापन किया गया, जिनमें से 35% ठिगनापन से ग्रस्त पाए गए और केवल 17% कम वजन वाले पाए गए और 5 साल से कम उम्र के केवल 6% बच्चे ही दुबले पाए गए। पोषण ट्रैकर के आकड़ों से प्राप्त बच्चों में कम वजन और दुबलेपन का स्तर एनएफएचएस-5 द्वारा प्रक्षेपित स्तर से बहुत कम है।

(ख) जनजातीय मामलों के मंत्रालय की पीएम-जनमन योजना के तहत, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बस्तियों में 916 नए आंगनवाड़ी केंद्रों को मंजूरी दी है।

*****